



लोलीटा, विश्व की दूसरी सबसे उपद्राज किलर व्हेल (ओर्का) जल्दी ही अपने मूल आवास, पैसिफिक नॉर्थवैस्ट में रहने के लिए जा रही है। लोलीटा को लोग टोकिते भी कहते हैं। तटवर्ती सैलिश लोगों की भाषा में इस शब्द का अर्थ है "नाइस डे, प्रिंट कलर्स"। मायामी सीक्वेरियम की इस स्टार ओर्का को जब पकड़ा गया था तब यह 7 वर्ष की थी और अब 57 वर्ष की है, अर्थात् सीक्वेरियम में यह 50 साल बिता चुकी है। लोलीटा 1970 के दशक में यहां आई थी। विडबी आइलैंड के पास कुछ लोगों ने 79 अन्य ओर्का के साथ इसे पकड़ा था। तब से ही लोलीटा अक्वेरियम में रह रही है और करतब दिखा रही है। मार्च 2022 में इसे रिटायर कर दिया गया। रात माह घोषणा की गई कि, लोलीटा का उसके मूल आवास में पुनर्वास किया जाएगा। मायामी सीक्वेरियम की मालिक कम्पनी, द डॉलफिन कम्पनी और कंजर्वेशन ग्रुप, "फ्रैंड्स ऑफ लोलीटा" ने यह घोषणा की है। रिटायरमेंट के बाद से लोलीटा को मूल आवास में भेजने के लिए यह समूह अभियान चला रहा है। प्राकृतिक आवास में ओर्का औसतन 46 साल तक जीती है। लेकिन कुछ व्हेल 80 या 90 साल तक भी जिंदा रहती हैं। ब्रिटेन के संगठन, व्हेल एंड डॉलफिन ऑर्गेनाइजेशन ने बताया कि, नर ओर्का की औसत आयु 30 साल तक ही होती है पर कुछ नर 50-60 साल तक भी जी सकते हैं। कैप्टिव ओर्का ज्यादा जीती है। कैप्टिव ओर्का की प्राकृतिक आवास में वापसी मुश्किल होती है। लोलीटा से पहले सिर्फ केको नाम की ओर्का ही प्राकृतिक आवास में लौटी थी। वर्ष 1993 में आई फिल्म "फ्रीविली" से विख्यात हुई केको की रिहाई के लिए जोरदार अभियान चलाया गया था तथा 2002 में उसे रिहा कर दिया गया। पर 2003 में नॉर्वे में निमोनिया से इसकी मौत हो गई। इससे यह भय फैल गया कि कैप्टिव ओर्का प्राकृतिक आवास में नहीं रह पाती हैं। लेकिन बीबीसी की डॉक्यूमेंटरी, प्रोजेन लैनैट द्वितीय, में एक पूर्व कैप्टिव ओर्का को शिकार करते व अन्य ओर्का के साथ मस्ती करते देखा गया तो लगा कि कैप्टिव ओर्का का उसके प्राकृतिक आवास में बसना संभव है। ओर्का को संरक्षित केंद्रों में रखने को लेकर हमेशा विवाद होता है। वर्ष 1961 में जब पहली ओर्का पकड़ी गई थी, तबसे लेकर अब तक, 174 ओर्का कैप्टिविटी में मर चुकी हैं।

मृतक रामप्रसाद मीणा के परिजनों के साथ धरने पर बैठे सांसद किरोड़ीलाल मीणा

नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी, परिवार के एक सदस्य को नौकरी व मुआवजे की मांग रखी

जयपुर 18 अप्रैल (कांस)। रामप्रसाद मीणा के सुसाइड मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस मामले में अब राज्यसभा सांसद किरोड़ीलाल लाल मीणा भी मृतक रामप्रसाद मीणा के परिजनों के साथ धरने पर बैठ गए हैं। नामजद सभी आरोपियों की गिरफ्तारी, परिवार के एक सदस्य को नौकरी, मुआवजा समेत अन्य मांगों को लेकर परिजनों ने सरकार को मांग पत्र सौंपा है। मंगलवार देर शाम तक धरना जारी रहा, परिजनों ने रामप्रसाद के शव का पोस्टमार्टम भी करवाने को राजी नहीं हुए।

राज्यसभा सांसद डॉ किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि, पट्टा होने के बावजूद भी रामप्रसाद मीणा को उसका मकान नहीं बनाने दिया गया। गरीब की कोई

- सांसद मीणा ने आरोप लगाया कि "पीड़ित परिवार मंत्री महेश जोशी से मिलने गया था, तो उन्होंने फटकार कर भगा दिया, परिवार के सदस्य को लात मारी गई, इससे डिप्रेशन में आकर रामप्रसाद मीणा ने सुसाइड किया है।"
- मरने से पहले रामप्रसाद ने वीडियो में कैबिनेट मंत्री महेश जोशी समेत मंदिर संचालक देवेन्द्र शर्मा, ललित शर्मा, होटल मालिक राकेश टांक, मुनजी टांक, देव अवस्थी, लालचंद देवनानी, हिमांशु देवनानी सहित करीब 8 लोगों पर परेशान करने का आरोप लगाया था।

सुनने वाला नहीं है, वो दर-दर भटका और फिर आखिर में मौत को गले लगा लिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह भरतपुर में जुनेद और नासिर के लिए मुख्यमंत्री ने घोषणा की थी, उसी तर्ज पर मृतक रामप्रसाद मीणा के लिए भी

घोषणा की जाए। मृतक परिवार को सरकार पैकेज दे और होटल के अवैध निर्माण को ध्वस्त किया जाए। इसके साथ ही परिवार में एक सदस्य को नौकरी और उनका मकान बनवाए जाने की मांग की।

सांसद किरोड़ीलाल ने आरोप लगाया कि, हैरिटेज नगर निगम ने पूरे शहर में लूट मचा रखी है। पीड़ित परिवार मंत्री महेश जोशी से मिलने गया था, तो उन्होंने फटकार कर भगा दिया, परिवार के सदस्य को लात मारी गई, इससे डिप्रेशन में आकर रामप्रसाद मीणा ने सुसाइड किया है। उन्होंने मांग की है कि, जिन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है, उन्हें गिरफ्तार किया जाए। पीड़ित परिवार का पालन पोषण करने वाला भी कोई नहीं है, इसलिए उन्हें राहत पैकेज दी जाए। इसके अलावा जिन अधिकारियों ने लापरवाही की है, उनको सस्पेंड किया जाए। किरोड़ीलाल ने कहा कि, रामप्रसाद ने मरने से पहले वीडियो बनाया था और एक सुसाइड नोट भी

लिखा था। इसमें उन सभी लोगों के बारे में बताया है, जिन्होंने उसे परेशान किया था। वीडियो में कैबिनेट मंत्री महेश जोशी समेत मंदिर संचालक देवेन्द्र शर्मा, ललित शर्मा, होटल मालिक राकेश टांक, मुनजी टांक, देव अवस्थी, लालचंद देवनानी, हिमांशु देवनानी करीब 8 लोगों पर परेशान करने के आरोप लगाए हैं। सांसद ने बताया कि, अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एडिशनल पुलिस कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप को सरकार के नाम ज्ञापन दिया गया है। मुकदमे में मंत्री का नाम है, तो जांच सीआईडी करेगी। मामले में लिपि अन्य लोगों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए, ताकि पीड़ित परिवार को संतुष्टि हो।

रामप्रसाद सुसाइड केस में मंत्री महेश जोशी के खिलाफ थाने में एफ.आई.आर. दर्ज

जयपुर, 18 अप्रैल। सुभाष चौक क्षेत्र में चांदी की टकसाल पर चाय की थड़ी लगाने वाले रामप्रसाद ने सुसाइड से पहले कैबिनेट मंत्री महेश जोशी, मंदिर संचालक देवेन्द्र शर्मा, ललित शर्मा, होटल शैरटेन के मालिक राकेश टांक, मुनजी टांक, देव अवस्थी, लालचंद देवनानी, हिमांशु देवनानी करीब 8 लोगों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। सोमवार देर रात सुभाष चौक पुलिस ने इन सभी लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। उधर परिजनों ने दूसरे दिन भी रामप्रसाद के शव का पोस्टमार्टम नहीं करवाया है। मंगलवार देर रात तक भी धरना जारी रहा।

मृतक राम प्रसाद मीणा (43) के भाई महावीर मीणा की शिकायत पर सुभाष चौक पुलिस ने सभी 8 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पीड़ित महावीर का कहना है कि जब हमारे पुत्रतैनी मकान पर निर्माण कार्य नगर निगम ने बंद कराया तो हम हैरिटेज

'बेटे विजय से कोई संबंध नहीं, वह अलग रहता है'

पेपर लीक केस में गिरफ्तार विजय डामोर के पिता ने बेटे के साथ संबंध से इन्कार किया

डूंगरपुर, 18 अप्रैल (निर्स)। आरपीएससी पेपर लीक मामले में मंगलवार को गिरफ्तार हुए आर.पी.एस.सी. सदस्य बाबूलाल कटारा और उसका भांजा विजय डामोर डूंगरपुर के रहने वाले हैं। विजय के पिता ललित डामोर पुलिस हेड क्वार्टरबल हैं जो कि पुलिस लाइन में चालानी गार्ड के पद पर तैनात हैं। बेटे की गिरफ्तारी का पता उन्हें उनके साथी पुलिसकर्मियों से चला। आरोपी विजय के पिता ने कहा कि बेटे से उनका कोई संबंध नहीं है। वे उनसे अलग रहते हैं। आर.पी.एस.सी. पेपर लीक मामले में शेरसिंह मीणा से पूछताछ में पता चला था कि पेपर आर.पी.एस.सी. सदस्य डूंगरपुर निवासी बाबूलाल

कटारा से मिला था। इसके बाद स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एस.ओ.पी.) बाबूलाल कटारा को अजमेर से गिरफ्तार कर लिया है। वहीं मामले में एसओजी ने बाबूलाल कटारा के भांजे विजय डामोर को डूंगरपुर जिले के वागदरी से गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही कटारा के ड्राइवर गोपाल सिंह को भी गिरफ्तार किया है। आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा का भांजा विजय डामोर एम.ए.बी.एड. है और कई प्रतियोगी परीक्षाएं दे चुका है। विजय ने सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा भी दी थी, जिसमें लिखित परीक्षा में वो पास भी हो गया था, लेकिन शारीरिक परीक्षा में असफल रहा था। हालांकि विजय शिक्षक भर्ती परीक्षा में बैठा था या नहीं इस बारे में परिवार के लोग भी नहीं बता पा रहे हैं।

विजय डामोर के पिता ललित डामोर को बेटे की गिरफ्तारी का सूचना भी कोर्ट में चालानी मुनफियों को कोर्ट में पेश करते समय उनके साथी पुलिसकर्मियों ने दी। विजय के पिता बेटे की इस हरकत से अचंबित थे। वहीं वागदरी में विजय का पक्का घर बना हुआ है। जिसे सालभर पहले ही बनाया है। घर के आंगन में शादी का मंडप सजा हुआ था। 2 महीने पहले ही 22 फरवरी को विजय की शादी हुई थी। हेड क्वार्टरबल ललित डामोर ने बताया कि 2 महीने पहले बेटे की शादी हुई थी, शादी के बाद से वह उनके सम्पर्क में नहीं है और डेड महीने से वह घर भी नहीं आया है। उन्होंने कहा कि बेटे के पेपर लीक में नाम आने को लेकर कुछ नहीं जानते हैं।

आई.आई.टी. कानपुर ने तैयार किया कृत्रिम हृदय

कानपुर, 18 अप्रैल। आई.आई.टी. कानपुर के वैज्ञानिकों और हृदय रोग विशेषज्ञ ने मिलकर कृत्रिम हृदय तैयार किया है जिससे हृदय का प्रत्यारोपण हो सकेगा। के.जी.एम.यू. के 118वें स्थापना दिवस के अवसर पर आइ.आई.टी. कानपुर के निदेशक प्रो. आइ.आर.डी. कानपुर ने बताया कि, 2023 में ट्रायल होने के बाद संभवतः आने वाले दो वर्षों में कृत्रिम हृदय का प्रत्यारोपण ईंसानों में किया जा सकेगा। के.जी.एम.यू. के सेल्वी हाल में गत शनिवार को 118 वर्ष पूरे होने के उपलब्ध में स्थापना दिवस समारोह किया गया। इस अवसर पर के.जी.एम.यू. के 52 मेधावी विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल सिल्वर मेडल समेत कई पुरस्कारों से नवाजा

गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. अभय के साथ विशिष्ट अतिथि के तौर पर के.जी.एम.यू. के मानसिक चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डा. प्रभात सिथोले, के.जी.एम.यू. कुलपति डा. विपिन पुरी, प्रति कुलपति डा. विनीत शर्मा समेत कई चिकित्सक और विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रो. अभय करंदीकर ने कहा कि संस्थान के 10 वैज्ञानिक और चिकित्सकों की टीम ने कृत्रिम दिल तैयार किया है। आने वाले फरवरी से पहले फेस का ट्रायल शुरू किया जाएगा। कृत्रिम हृदय का उद्देश्य शरीर में खून को सही रूप से सभी अंगों तक पहुंचाना होगा यदि कामयाबी मिलती है तो इससे प्रत्यारोपण भी किया जा सकेगा।

'मंत्री चोटी से पांव के अंगूठे...

(प्रथम पृष्ठ का शेष) आने की बात करने चुनौती दी, तो मंगलवार को आदिवासी क्षेत्र के विधायकों ने कहा कि मुख्यमंत्री का चेहरा तो अशोक गहलोल ही है, आलाकमान कौन है, नया चेहरा लाने वाला। ऐसा कहकर अब इन विधायकों ने भी आलाकमान को चुनौती दे दी है। मंगलवार को आदिवासी क्षेत्र के विधायकों ने फीडबैक के बाद एक स्वर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोल को चौथी बार मुख्यमंत्री बनाने और मुख्यमंत्री के साथ होने की बात कही। उदयपुर के धरियाद से विधायक नगराज मीणा, प्रतापगढ़ रामलाल मीणा, डूंगरपुर से गणेश घोषरा और कुशालगढ़ से निर्दलीय विधायक रमिला खडिया ने गहलोल के साथ होने की बात कही। नगराज मीणा ने तो यहां तक कह दिया कि आलाकमान दूसरा चेहरा क्यों लाएगा ? अशोक गहलोल है और

बेहतर काम कर रहे हैं। निर्दलीय विधायक रमिला खडिया ने कहा कि वह मुख्यमंत्री अशोक गहलोल के साथ है। कांग्रेस विधायक नगराज मीणा ने कहा कि गहलोल सरकार ने अच्छे काम किए हैं। जनता चाहती है कि सरकार फिर कांग्रेस की बने और चौथी बार अशोक गहलोल ही मुख्यमंत्री बनेंगे। नगराज मीणा ने कहा कि गहलोल को चौथी बार मुख्यमंत्री बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि सचिन पायलट व्यक्तिगत राय कुछ भी रख सकते हैं, मैं संसद पर नहीं जाना चाहता, लेकिन राजस्थान की सरकार ने जनता के लिए बहुत काम किया है। हर आदमी चाहता है कि मैं कुछ ना कुछ बनूँ, लेकिन वह संभव नहीं है। नगराज मीणा ने कहा कि अशोक गहलोल बेहतर काम कर रहे हैं। ऐसे में आलाकमान दूसरा चेहरा क्यों लाएगा ? अशोक गहलोल के चेहरे पर

ही अगला चुनाव लड़ा जाएगा। अशोक गहलोल ही राजस्थान में सरकार बना सकते हैं। वहीं फीडबैक कार्यक्रम के बाद हरीश चौधरी ने कहा कि फीडबैक में हमारे क्षेत्र की बात हो रही है। वही जब उनसे सचिन पायलट के अनशन और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि हर बात को बाहर आकर नहीं कहा जा सकता, लेकिन उन्होंने इतना जरूर कहा कि भाजपा शासन के दौरान भ्रष्टाचार एक बड़ा मुद्दा था। ऐसे में हरीश चौधरी ने कहीं ना कहीं सचिन पायलट की उस बात का समर्थन कर दिया, जिसमें कि उन्होंने भाजपा शासन के भ्रष्टाचार की जांच नहीं होने पर अनशन किया था। इसी के साथ विधानसभा चुनाव में चेहरे की बात पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस चेहरे के साथ चुनाव में नहीं जाती, चेहरा कौन होगा, यह आलाकमान तय करेगा

रामप्रसाद सुसाइड केस में मंत्री महेश जोशी के खिलाफ थाने में एफ.आई.आर. दर्ज

महेश जोशी ने अपनी सफाई में कहा, "रामप्रसाद और उनके परिवार को मैं जानता तक नहीं और ना ही वो कभी उनसे मिलने आए। पीड़ित परिवार को लात मारने की बात भी झूठी है, चाहे तो मेरे घर में लगे सी.सी.टी.वी. कैमरे के फुटेज देख सकते हैं"

मृतक राम प्रसाद मीणा (43) के भाई महावीर मीणा की शिकायत पर सुभाष चौक पुलिस ने सभी 8 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पीड़ित महावीर का कहना है कि जब हमारे पुत्रतैनी मकान पर निर्माण कार्य नगर निगम ने बंद कराया तो हम हैरिटेज निगम के सतर्कता उपायुक्त नीलकमल मीणा के पास पहुंचे, तब नीलकमल ने भी मदद करने से यह कहते हुए मना कर दिया कि मेरे ऊपर जलदाय मंत्री महेश जोशी का दबाव है। इसके बाद जब हम मंत्री जोशी के पास पहुंचे तो उन्होंने भी धमकाया कि जैसा मेरे आदमी कहते हैं, वैसा करो।

वहीं दूसरी ओर इस मामले में जलदाय मंत्री महेश जोशी ने अपने आवास पर प्रेस वार्ता कर अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि रामप्रसाद और उनके परिवार को मैं जानता तक नहीं और ना ही वह उनसे कभी मिलने आए। अगर उन्हें मुझसे कोई शिकायत थी तो मेरे पास आते। उनकी मौत की जानकारी मिली तो बहुत दुःख हुआ। आत्महत्या करने से पहले उन्होंने मेरा नाम भी लिया

है। साथ मुझ पर भी आरोप लगाया कि मैंने भी परेशान किया जो कि सरसर निराधार है। उन्होंने कहा कि मेरी गलती तब होती जब मृतक या उसके परिवार मेरे पास आते और मैं उनकी मदद नहीं करता। महेश जोशी ने कहा कि कुछ दिन पहले किसी ने राजामल तालाब स्थित 260 साल से भी अधिक पुराने श्री गिरधारीजी के मंदिर परिसर में हो रहे निर्माण को गलत बताते हुए काम रुकवाने को कहा। प्राचीन मंदिर से जुड़ी लोगों की धार्मिक आस्था को देखते हुए प्रकरण संवेदनशील लगा, इसलिए काम रुकवाकर कागजों की जांच के लिए कहा था। दो पक्षों के विवाद की परिस्थिति में काम रुकवाना आम बात है, कोई भी जनप्रतिनिधि यही करेगा। काम इसलिए रुकवाया ताकि कागजों की जांच हो सके और जो सही है उस पार्टी के साथ न्याय हो। आत्म हत्या को कभी भी सही नहीं ठहराया जा सकता लेकिन अगर काम नहीं रुकवाता और पुजारी आत्म हत्या कर लेता तो फिर? बाद में पुजारी की ओर से लिखित शिकायत भी प्राप्त हुई, लेकिन मृतक के

परिवार की ओर कोई भी शिकायत या जवाब अथवा स्पष्टीकरण मुझे नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि मृतक रामप्रसाद या परिवार के किसी भी व्यक्ति को लात मारने या किसी भी तरह के दुर्व्यवहार करने के आरोप झूठे हैं। उनके घर पर सीसीटीवी कैमरा लगा है। अगर किसी की सिफारिश भी करता हूँ तो न्याय के लिए मृत्यु के कारणों का पता लगाना जरूरी है। आत्महत्या आमतौर पर व्यक्ति क्षणिक आवेश में करता है, आत्महत्या करने से पहले 3-4 वीडियो कौन बनवाता है या बनाता है। सच्चाई ठीक से पता लगनी चाहिए। आत्महत्या कराना हर किसी का अधिकार है, मैं चाहता हूँ कि जल्द से जल्द उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच हो जिससे सच्चाई जनता के सामने आए। प्रकरण के बारे में जानकारी मिलते ही महानिदेशक पुलिस-राजस्थान एवं पुलिस आयुक्त, जयपुर को पत्र के माध्यम से उच्च स्तरीय एवं शीघ्रता से जांच के लिए आग्रह किया।

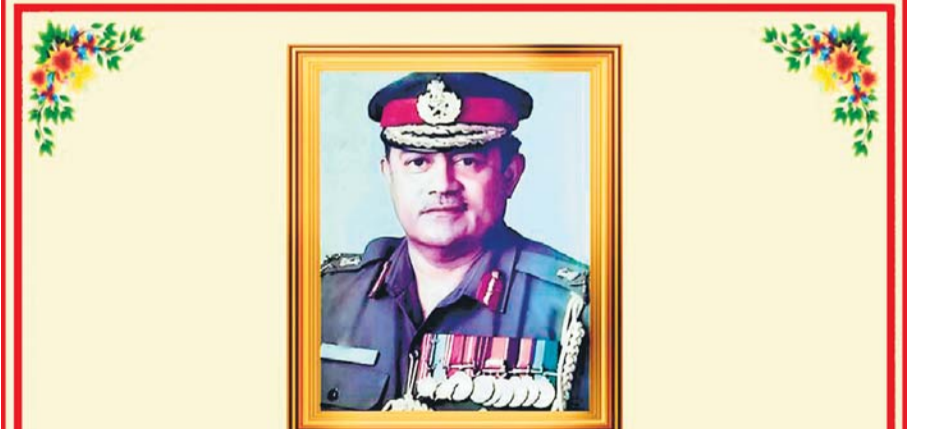
रामप्रसाद की आत्महत्या के बाद अवैध होटल को तोड़ने पहुंचा हैरिटेज निगम

फटकार लगने पर तब बुलडोजर लेकर कार्रवाई करने पहुंचे थे अफसर

जयपुर, 18 अप्रैल। सुभाष चौक इलाके में रामप्रसाद की आत्महत्या के बाद मंगलवार को मुख्यमंत्री ने हैरिटेज निगम के अफसरों को फटकार लगाई। इसके बाद अधिकारी जेसीबी व बुलडोजर लेकर चांदी की टकसाल स्थित अवैध होटल तोड़ने के लिए दौड़े।

मंत्रों ने सतर्कता उपायुक्त नीलकमल मीणा की गाड़ी को घेरा, पुलिस ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला।

बल के साथ अवैध होटल पर कार्रवाई करने पहुंचा। इस दौरान लोगों ने निगम सतर्कता उपायुक्त का विरोध शुरू कर दिया और उसे घेरने लगे, लोगों का आक्रोश देख सतर्कता उपायुक्त नीलकमल मीणा को पुलिस ने सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद मौके पर पुलिस के आला अफसर पहुंचे और पुलिस जापा तैनात किया। तब जाकर निगम ने कार्रवाई के लिए तीन जेसीबी और एक लोकंडा मशीन मंगवाई और कार्रवाई शुरू की। सबसे पहले लोकंडा मशीन से छत को पंचर करना शुरू किया, वहीं जेसीबी से अवैध इमारत को दीवारों को तोड़ना शुरू किया। निगम अफसरों की मांनें तो पूरा इमारत को ध्वस्त करने तक कार्रवाई जारी रहेगी।



Lt Gen Ajai Singh, PVSM, AVSM (20 Nov 1934-17 Apr 2023)

With profound grief we announce the sad demise of Lt Gen Ajai Singh on 17 April 2023. He belonged to a respected family of Kumadi, Rajasthan. An alumni of Mayo College, Ajmer and NDA (JSW), he was commissioned in 17 Horse (The Poona Horse) after having received the Sword of Honour of the 17th Regular Course, IMA. An exceptionally bright officer, he attended the Tank Commanders Course in Czechoslovakia, Defence Services Staff Course, Wellington, Higher Command Course at College of Combat at Mhow and Royal College of Defence Studies in London (UK) in 1983. Lt Gen Ajai Singh played a stellar role with Poona Horse in both 1965 and 1971 wars and was awarded 'Mentioned in Despatches'. He commanded 17 Horse, 14(I) Armoured Brigade, 31 Armoured Division and 4 Corps. Having been at the helm of affairs during Operation Bajrang and due to his intimate knowledge of the area he was later appointed as Governor of Assam where served from 2003 to 2008. A highly respected and popular officer, he touched the life of all those who were fortunate to have interacted with him. He is survived by his wife Mrs Krishna Singh, Son Mr. Sajai Singh and Daughter Mrs Shyambhavi Singh.